हिन्दुस्तान

छह वर्षों में ढाई लाख करोड़ का निवेश आ चुका

गौतमबुद्ध नगर साल दर साल तरक्की के नए आयाम बना रहा है। बीते छह वर्षों में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ चुका है। शनिवार को उत्तर भारत के पहले सेमीकंडक्टर इकाई की नींव भी रखी गई। इन परियोजनाओं से जिले का तेजी से विकास होने के साथ ही बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार मिल रहे हैं। पेश है रिपोर्ट…

2018 से अब तक 52 हजार करोड़ का निवेश यीडा क्षेत्र में आ चुका

180 कंपनियों के इस वर्ष के अंत तक संचालन का लक्ष्य रखा गया

आशीष धामा

ग्रेटरनोएडा। गौतमबुद्ध नगर ने पिछले छह वर्षों में औद्योगिक विकास की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। करीब 2.64 लाख करोड़ रुपये के निवेश ने जिले को इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण और डाटा सेंटर का प्रमुख केंद्र बना दिया है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा में फैली परियोजनाओं ने न केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाई, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार और निर्यात संभावनाओं को मजबूत किया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद सबसे ज्यादा निवेश यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में आया है। यहां वर्ष 2018 के बाद से अबतक लगभग 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ चुका है। अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं ने 50 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। अभी शहर में 52 कंपनियों को पूर्णता प्रमाणपत्र दिया जा चुका है, जबकि 27 कंपनियों में उत्पादन शुरू हो चुका है। इस वर्ष के अंत तक करीब 180 कंपनियों के संचालन का लक्ष्य है। निवेश करने वाली कंपनियों में सेमीकंडक्टर में एचसीएल और फॉक्सकोन के संयुक्त उपक्रम मैसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के अलावा वीवो मोबाइल कंपनी, इलेक्ट्रॉनिक्स में सूर्या ग्लोबल कंपनी और अन्य श्रेणी में बीकानेर, मेडिकल डिवाइस में क्रिश डिवाइन आदि शामिल हैं। जबकि, ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत शहर में 196 कंपनियों ने 2.16 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव रखे थे। इसी तरह ग्रेटर नोएडा में पिछले छह सालों में 1.01 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। इसमें विदेशी निवेश भी शामिल है।

प्रमुख कंपनियों में योटा डाटा सेंटर, वीवो और हायर इलेक्ट्रॉनिक्स, सोनालिका ट्रैक्टर्स व ग्रुप हाउसिंग परियोजनाएं शामिल हैं। प्राधिकरण के एक अधिकारी के मुताबिक इस दौरान सबसे ज्यादा ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं में निवेश आया है। इसमें 80 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, जबकि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत उद्यमियों ने 1.43 लाख करोड़ से अधिक के 342 प्रस्ताव रखें थे।

नोएडा में भी निवेश: नोएडा में पिछले छह वर्षों में 1.09 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। अधिकांश निवेश इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों ने किया है। इनमें टीसीएस, इंफोसिस, माइक्रोसॉफ्ट और एचसीएल, सैमसंग व डिक्सन कंपनी शामिल है। वहीं, ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत शहर में 1.56 लाख करोड़ के 611 प्रस्ताव रखें गए थे। अन्य प्रस्तावों पर तेजी से काम करने के लिए अधिकारी कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर निवेश को बढ़ावा देने में जुटे हैं।

यीडा क्षेत्र के सेक्टर-28 में शनिवार को सेमीकंडक्टर संयंत्र की प्रतिकृति देखते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ में हैं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', सांसद डॉ. महेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग। • हिन्दुस्तान

> मोबाइल उत्पादन में गौतमबुद्ध नगर देश में शीर्ष पर है। यहां देशभर के मुकाबले 52 प्रतिशत मोबाइल तैयार किए जा रहे। क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स को बढ़ाव देने के लिए यमुना के सेक्टर-10 में 206 एकड़ में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित किया जाएगा।
>
> **- शैलेंद्र भाटिया,** एसीईओ यीडा

> जिले में छह वर्षों के दौरान 5.16 लाख करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इनमें से 2.64 लाख करोड़ के प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा रहा है। इन परियोजना में लाखों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
>
> **- पंकज निर्वाण,** उपायुक्त उद्योग

दो लाख की जमीन करोड़ों में पहुंची : डॉ. महेश शर्मा

दावा

नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। सेमीकंडक्टर यूनिट के शिलान्यास के मौके पर शनिवार को सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। विकास के दम पर ही दो लाख की जमीन की कीमत करोड़ों रुपये तक पहुंच गई है।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि 15 साल पहले जब वह पहली बार चुनाव लड़े थे तो इस इलाके में सड़के भी नहीं थीं। आने का रास्ता नहीं होता था। आज यहां पर चौड़ी-चौड़ी सड़के हैं, बड़ी-बड़ी फैक्टरियां यहां पर आ रही हैं। एक बार एक गांव में किसान ने उन्हें टोका था कि यहां पर क्या हुआ है। उन्होंने जब किसान से पूछा की दस साल पहले यहां पर जमीन का क्या रेट था तो उसने बताया दो लाख रुपये बीघा और आज क्या रेट है तो उसी ने ही बताया कि 50 लाख से एक करोड़ रुपये बीघा है। ये ही इस क्षेत्र का विकास है। इसी वजह से जमीनों के रेट इतने बढ़े हैं। उन्होंने क्षेत्र की बेहतर कानून व्यवस्था के लिए कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने सेमीकंडक्टर यूनिट को लेकर कहा कि यह परियोजना एक उद्योग नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों, रोजगार के नए अवसरों और तकनीकी समृद्धि का आधार है। गौतमबुद्धनगर जिला अब भारत के तकनीकि मानचित्र पर एक सशक्त पहचान बना रहा है।

जेवर यूपी के विकास का द्वार : धीरेंद्र सिंह

जेवर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने आज जेवर को यूपी के विकास का द्वार बना दिया है। यहां पर सबसे अधिक विकास हो रहा है। सेमीकंडक्टर की यह यूनिट प्रदेश के आर्थिक विकास को नए आयाम देगी। उन्होंने जेवर विधानसभा में तीन-तीन डिग्री कालेज, सीएम कंपोजिट विद्यालय और छह-छह स्टेडियम बनवाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उनकी ओर से सभी मेहमानों को बदलता जेवर के स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

वैश्विक मानचित्र पर चमक रहा जिला : सुरेंद्र नागर

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर वैश्विक मानचित्र पर चमक बिखेर रहा है। यहां पर विकास की अनेक बड़ी परियोजनाएं आई हैं। सेमीकंडक्टर और डाटा सेंटर के क्षेत्र में अब जिला आगे बढ़ चुका है और इस क्षेत्र में शनिवार को जिस फैक्टरी की नींव रखी गई, यह बड़ा कदम साबित होगी। उन्होंने इसके लिए एचसीएल और फॉक्सकॉन का भी आभार जताते हुए कहा कि इसके चलते यहां पर अनेक युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।